कंप्यूटर भाषा निर्माता का सम्मान

हाल ही में यू.एस कंप्यूटर वैज्ञानिक बारबरा लिस्कॉव को कंप्यूटर के क्षेत्र में नोबल पुरस्कार माने जाने वाले ए.एम. ट्यूरिन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। गौरतलब है कि बारबरा लिस्कॉव यू.एस. की प्रथम महिला हैं जिन्होंने कंप्यूटर विज्ञान में पीएच.डी. उपाधि हासिल की थी।

लिस्कॉव को यह सम्मान "सर्व व्यापी कंप्यूटर सिस्टम डिज़ाइन की रचना के लिए दिया गया है जो रोज़मर्रा के जीवन को प्रभावित करता है।" लिस्कॉव ने मुख्य रूप से कंप्यूटर प्रोग्रामिंग भाषा के क्षेत्र में काम किया है। सत्तर व अस्सी के दशक में उनके द्वारा किए गए काम ने वह बुनियाद तैयार की थी जिसकी बदौलत आज कंप्यूटर घर-घर में फैल गए हैं और दुनिया इंटरनेट-केंद्रित हो गई है।

लिस्कॉव ने सी.एल.यू. जैसी कंप्यूटर प्रोग्रामिंग भाषा का विकास किया जो C++ और जावा जैसी ऑब्जेक्ट उन्मुखी भाषाओं के मूल में है। 1990 के दशक में ये भाषाएं निहायत लोकप्रिय हो गईं और कंप्यूटर व सॉफ्टवेयर हमारी सभ्यता पर हावी होते चले गए।

ऑब्जेक्ट उन्मुखी भाषाएं एक मायने में बहुत सरल स्वतंत्र मशीनों के समूह के समान होती हैं जो आपस में जुड़ी हुई हैं। इनमें से हर खंड स्वतंत्र रूप से आंकड़े ग्रहण कर सकता है, प्रोसेस कर सकता है और आउटपुट दे सकता है। इसके विपरीत पारंपरिक प्रोग्रामिंग भाषाओं में प्रोग्राम इस तरह बनते हैं कि उनमें कोई भी काम करवाने के लिए निर्देशों की एक ृंखला लिखनी होती है। ऑब्जेक्ट उन्मुखी भाषाओं के विकास का ही परिणाम है कि आज कंप्यूटर में उपयोगकर्ता के लिए चित्रात्मक निर्देश पटल होता है जिसे ग्राफिक इंटरफेस कहते हैं।

इस तरह से दो दशकों तक कंप्यूटर क्रांति की बुनियाद तैयार करके लिस्कॉव ने सचमुच आम जीवन को गहराई में प्रभावित किया है। ***(स्रोत फीचर्स)***